Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

104

विज़न २०४७ भारत की संभाविता का अनावरण

डॉ.जंबा एम चौधरी

सौराष्ट्र युनिवर्सिटी, राजकोट

प्रस्तावना:

हमारा देश भारत अगस्त १९४७ को अंग्रेजों की २०० साल की गुलामी से आजाद हुआ था। आजादी के ७५ साल पूरे हो गए है। २५ साल बाद साल २०४७ मैं देश को आजादी मिले १०० साल जाएगे । आनेवाले २५ वर्ष देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा।मेरे पास २०४७ मे भारत के लिए एक बड़ा द्रष्टकोण है। हमे २०४७ तक भ्रष्टाचार, गरीबी बेरोजगारी,कुपोषण और निरक्षरता की समस्याओ को दूर करना होगा। भारत मे सभी को स्वास्थ्य सुविधाए मिले,चाहे वह गरीब हो या अमीर,मेरा देश हमेशा अच्छा और शांतिपूर्ण होना चाहिए। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्रीजी के द्वारा जिक्र किया गया था की भारत विकसित देश कब तक बन सकेगा। २०४७ तक का लक्ष्य है की जब भारत हुआ था सन १९४७ और भारत २०४७ तक कैसा बनेगा। जो १९४७-२०४७ का यही १०० वर्ष का काल खण्ड है। भारत की वर्तमान स्थिति यही रही है की भारत एक विकासशील देश है,भारत एक कृषि प्रधान देश है। आखिर क्या किया जाना चाहिए,भारत को किस तरीके से काम करना चाहिए,किस अंगल से काम करना

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

चाहिए, ताकि यह विकसित देश के जो स्थिति है इसका जो स्टेट्स है अर्जित किया जा सके। २०४७ मे संभवित है की भारत एक ऐसा भारत होगा जहा घर से लेकर सड़कों,कार्यस्थल,हर जगह महिलाये सुरक्षित रहेगी। सभी के लिए समान अधिकार की संभावना स्वतंत्रता होगी। आनेवाले २५ सालों मे हम भारतीयों को उतना ही ताकातवर बनना होगा जितना पहले कभी नहीं थे। वर्ष २०४७ के संबंध मे,हमे एक लक्ष्य निर्धारित करना होगा कि स्वतंत्रता के १०० वर्ष पूरे करने के बाद हम भारत को कहा देखते है।

विज़न २०४७ भारत की संभविता का अनावरण :

१५ अगस्त को लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र के नाम सम्बोधन मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने भारत ने भारत को एक विकसित देश मे बदलने का संकल्प किया। विकसित भारत के लक्ष्य को २०४७ मे भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी तक हासिल करना है। एक राष्ट्र के तौर पर यह एक जरूरी मकसद है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह मुमकिन है? और अगर है, तो कैसे?२०२१ की कीमतों और बाजार विनिमय दरों पर प्रति व्यक्ति सफल राष्ट्रीय आय (GNI) को आधार बनाकर विश्व बैंक दुनियाभर के देशों को चार समूहों मे वर्गीकृत कर्ता है। निम्न आय वाले देश जिनकी प्रति व्यक्ति सफल राष्ट्रीय आय सफल राष्ट्रीय आय १०५० डॉलर से कम है। निम्न मध्यम आय वाले देश जिनकी प्रति व्यक्ति सफल राष्ट्रीय आय सफल १०५०-सफल ४१०० डॉलर के बीच है। ऊपरी - मध्यम आय वाले देश जिनकी आय सफल १२,७०० डॉलर से अधिक है। २०२१ मे भारत की प्रति व्यक्ति सफल राष्ट्रीय आय सफल २१७० थी। यानी विश्व बैंक के अनुसार भारत निम्न-मध्यम आय वर्ग मे आता है। इसकी तुलना मे अन्य बड़े विकासशील देशों मे प्रति व्यक्ति जीएनआई बहुत अधिक है। उ.दा.के लिए चीन मे ११,८९० डॉलर,मेकिसको मे ९३८० डॉलर,ब्राजील मे ७७२० डॉलर और इंडोनेशिया मे ४३००

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

डॉलर और यह सभी उच्च –मध्यम आय वर्ग मे है। भारत अगर २०४७ तक उच्च आय वर्ग वाले देशों मे शामिल हो जाता है। तभी वह विकसित देश का दर्जा हासिल कर सकता है। इसके लिए इसकी प्रति व्यक्ति GNI को २०२१ की स्थिर कीमतों पर सफल राष्ट्रीय २१७० से बढ़ाकर सफल १२,७०० डॉलर तक करना होगा। यह दुष्कर तो है,लेकिन असंभव नहीं। इसके लिए अगले २५ वर्षों के लिए वास्तविक रूप मे प्रति व्यक्ति आय मे प्रति वर्ष सात फीसदी की दर से वृद्धि की आवश्यकता होगी। भारत की जनसंख्या भी इस अवधि के अधिकास समय तक बढ़ेगी। क्योंकि इसका आकार केवल वर्ष २०४५ मे स्थिर होने का अनुमान है।

इस प्रकार जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए वास्तविक अवधि मे राष्ट्रीय आय मे वृद्धि लगभग ८ % प्रति वर्ष होनी चाहिए। यहा मुद्रा स्फीति को भी ध्यान मे रखना होगा,क्योंकि इस अवधि मे भारतीय रूपिया अमेरिकी डॉलर की तुलना मे मूल्यहास कर सकता है। यदि प्रति व्यक्ति आय और राष्ट्रीय आय ७%प्रति वर्ष की दर से भी बढ़ती है,तो दोनों हर १० साल मे दोगुने हो जाएगे। इस गणना से २०५० तक भारत के अमेरिका और चीन के बाद तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने का अनुमान है। हालाकी सच यह भी है कि विकास केवल अंकगणित नहीं होता। क्या अगले २५ साल तक उच्च वृद्धि दर कायम रह सकती है?। ऐसी चार बड़ी वजह है। जो यह सुनिश्चित कर सकती है की भारत अगले २५ वर्ष की लगातार उच्च वृद्धि दर के साथ विकास करे। आनेवाले वर्षों मे हमारी विशाल जनसंख्या के और भी बढ़ने की उम्मीद है,जिससे देश मे श्रम की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। हालाकी यहा अहम यह है की हम इस श्रम को रोजगार है। उनके निम्न आय से उच्चतर आय मे आने से हम लक्ष्य की और आगे बढ़ेगे। डेमोग्राफ़िक डिविडेड एक और बढ़ी वजह है जो हमे अपने इस लक्ष्य तक पहुचा सकती है। देश की बढ़ी आबादी युवाओ की है। उनकी ऊर्जा और शक्ति का उपयोग कर

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

भारत विकसित बन शकता है। यहा भी रोजगार का सवाल अहम हो जाता है। एक और पहलू जो यहा महत्वपूर्ण है। वह है शिक्षा। युवा भारत को शिक्षित और कौशलपूर्ण बनाना इस दिशा मे एक अनिवार्य शर्त होगी। तीसरी वजह है,वेतन और मजदूरी। विकसित देशों की तुलना मे सस्ता श्रम भारत को एक बड़ा लाभ देगा। दुनिया भर से काम यहा आउटसोर्स हो सकते है। चौथी वजह है,देश भर मे शिक्षा और स्वास्थ्य सहित बुनियादी ढ़ाचे अभी भी बहुत कमजोर है।और यहा विकास की असीम संभावना है। यहा किया गया निवेश और विकास आर्थिक वृद्धि को तीव्र गति देगा। अगर इन चार महत्वपूर्ण कारकों को ध्यान मे रखते हुए सरकार आगे बढ़ती है। तो यकीन प्रधानमंत्री मोदीजी का भारत को २०४७ तक विकसित देश बनाने का सपना पूरा होगा।

विज़न इंडिया @२०४७ के बारे मे:

हाल ही मे नीति आयोग के सीईओ बीबीआर सुबमनीयने कहा है की भारत को विकसित देश बनाने के उदेश्य से विज़न इंडिया २०४७ दस्तावेज अपने अंतिम चरण मे है। उन्होंने कहा की यह दस्तावेज तीन महीने मे सार्वजनिक किया जाएगा। बता दे की भारत के बुनियादी ढ़ाचे, कल्याण,वाणिज्य और उद्योग,प्रोधोगिकी,और शासन सहित विषयों पर यह दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। इस मे यह अनुमान लगाया गया है। की २०४७ मे भारत की अर्थव्यवस्था ३० ट्रिलियन डॉलर होगा। जबकि इसके आयात का मूल्य १२.१२ ट्रिलियन डॉलर होगा।

-यह नीति आयोग द्वारा तैयार किया जो एक दस्तावेज है।

-इसमे २०४७ के भारत की परिकल्पना की गई है।

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

-इसमें निम्नलिखित आकाक्षाओ को पूरा करने का लक्ष्य है।

१. देश मे समृद्धि की नई उचाइया कों प्राप्त करना।

२. गावॉ और शहेरो दोनों में सर्वोतम सुविधाए उपलब्ध कराना।

३. नागरिकों के जीवन मे सरकार के अनावश्यक हस्तक्षेप को समाप्त करना।

४. दुनिया के सबसे आधुनिक बुनियादी ढ़ाचे का निर्माण करना।

इसलिए वो भारत जो सौ जुदा भारत से बिल्कुल अलग होगा, हाइटेक होगा,देवलप होगा मॉर्डन होगा। चीन,अमेरिका,यूरोप की टक्कर का होगा। ऐसा दावा और वादा प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदीजी का है। ये वो भारत होगा जिसका सपना नहेरु,इंदिरागांधी,अटल और मनमोहनसिह ने भी देखा था। और अपने तरीके से देश के विकास के लिए योगदान दिया। लेकिन उसे पूरा करने का प्लान नरेंद्रमोदीजी का बनाया है। १५ अगस्त २०२३ को जब प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदीजी लालकीला ए भाषण दे रहे थे।,उन्होंने कहा था २०४७ तक भारत विकसित राष्ट्रों की कतार मे अड़ा होगा।

-क्या भारत एक विकसित देश बन सकता है या एक सपना मात्र है। (भारत को विकसित बनाना एक सपना है जो पूरा हो सकता है,इस पर सक करने का कोई कारण नहीं है।)

-भारत विकसित राष्ट्र बनेगा की नही?(२०४७ तक अमेरिका की तरह विकसित कैसे बनेगे हम इसके लिए भारत को अगले २४ वर्षों तक हर वर्ष ८% प्रतिशत उसे तेज गति से विकास करना होगा।

Vidhyayana - ISSN 2454-8596
An International Multidisciplinary Peer-Reviewed E-Journal
www.vidhyayanaejournal.org
Indexed in: Crossref, ROAD & Google Scholar

संदर्भसूचिः

१. वीडियो कॉनफेन्सग के माध्यम से।

२. डेली करंट न्यूज।

३. विकसित भारत @२०४७ युवाओ की आवाज (द्ररष्टी न्यूज से)